

Sh.

D.

$$\frac{23}{495}$$

~~57~~

No. 23

29 P

मचमवनं प्रथयेप्रतिगृह्यतामाऽति
 प्रथयेता मप्रकमैमदसीयःमचरति
 भिराधनः मरदृष्टतांतिरितीपियं
 प्रतिगृह्यतामिरीसीपयेता उतेनाने
 वेहंभुतादिपयेनिविष्टरुमिष्टवत
 हृत्,भरीगृह्यतामभुता एवुवमहु
 वूननेवेहपयेभुमनाभुताते दमप
 इगतांतिहंभुतामनेममंभुताम पश्य
 धरुमैपतांगृह्यतामभुतामिरीतिनेवेहम
 गभुतामइयसवीतिःभुताम प्रवेत्तुम
 मःभुताम,गृह्यतामलिः मीरालेतिभु

ॐ भिन्ने यगुदमीधकं ५.३. तेन
 धातुभान्वे यगुदमीधकं ५.३.
 धनः सुगुदमीभङ्गीभकेलान्न
 धमीधकं प्रणय भिदय भिनभ
 उतिप्रणय उदयेसु उदयेसु तेन
 यमीधकं प्रणय भिदय भिनभः
 रंमने लीमिः मीधः ५.३. नैव
 उ भिः मियमीधः ५.३. वयह
 तेन वममीधः ५.३. भव लीनमी
 धः ५.३. भव विजय उच भिः सु
 मीधः ५.३. उतिप्रणय उदयेसु उ

भिकुलप्रय रंगिमीधः५३. रंसा
 न धीभीडिमीधः५३. मयिकुल
 लीमनेवमीधः५३. उभिकुल
 भैवडेरुं डीठलरालमीधः५३.
 डीइवलरालमीधः५३. लीम
 कधलरालमीधः५३. लीवमी
 कालरालमीधः५३. उरुमैः
 उरुमनरालमीधः५३. उडिमभु
 ए भउपु उषवडिकुलुं भैः कभमी
 धः५३. लीममममीधः५३.
 उरुको लेकमपमीधः५३. लुंभक

श्री.
 ५.
 ०५

गमलश्रीध. ५.३. सुपये श्रीमनकेश्वरी
 ध. ५.३. ५३ प्रणयउदयसु, उदये
 निधुप्रचमिरेवभतुन मननकुमम
 श्रीध. ५.३. मननभोवलश्रीध. ५.
 ३. मननभमनश्रीध. ५.३. मनन
 भमनतुगश्रीध. ५.३. भठगश्रीध.
 ५.३. ठगरदिल्लीश्रीध. ५.३. ठगभाल
 श्रीध. ५.३. ५३ प्रणयउदयसु उद
 धुप्रचमिरेवभतुन मननकुमम
 ध. ५.३. सुप्रद्वीश्रीध. ५.३. सुं
 नठगश्रीध. ५.३. सुंभनकुममश्रीध.

उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 धः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 रीमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 ५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 लिमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 मीमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 धः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 मङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 दीमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।
 मीमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०। उंमङ्गलैवमीधः५३०।

श्री.
 ५.
 ०४

यमिनमः मलयगिरिधी० श्रीध० ५.
 ३० कैलगिरिधी० श्रीध० ५. ३. कल
 उकधी० श्रीध० ५. ३. मोदगधी० श्री
 ध० ५. ३. एलङ्गधी० श्रीध० ५. ३.
 उद्वियनधी० श्रीध० ५. ३. मेवजुधी
 ० श्रीध० रुकं प्रसाध भिउद्ययमिनमः
 उद्वयमल्लपस्त्रिभामिउउमयसु
 दनकठैव श्रीध० रुकं प्रसाध भिनमः
 उद्ययमिनमः वडलठैव श्रीध० ५.
 ३. उधरा उकठैव श्रीध० ५. ३. सु
 प्रिणिङ्गठैव श्रीध० ५. ३. कलउक

ठैव श्री धनुः ५३. कथल ठैव श्री
 धनुः ५३. लकथल ठैव श्री धनुः ५३.
 उदय भिनमः सीम दुप ठैव श्री धनुः
 ५३. भलय ठैव श्री धनुः ५३. न
 एक सु ठैव श्री धनुः ५३. उरु
 उरु ५ चरुः ५३. धनुः धनुः
 ५३. धनुः धनुः ५३. निरुधुः
 धनुः ५३. वरुः धनुः ५३. व
 धनुः ५३. उरुः धनुः ५३.
 उरुः धनुः ५३. विरुः धनुः
 धनुः ५३. वरुः धनुः ५३. विरुः

श्री.
 ५.
 ०५

५५३. इन्द्रभीम वरुणी ५५३. म

जिम्मीप. ५.३. मल्लुम्मीप. ५.३.

पञ्चमरीचः ५३. षष्ठमरीचः ५३.

सुरासूत्रः ५.३. गमसूत्रः ५.३. ३

सुलसीपा. ५.३. पद्मसीपा. ५.३.

मन्त्रश्रीधरकं५३. उच्चउम्प

श्रीम वंदकमूषा ५५ ५३ यं

योगिनी मू५. प्र३. प्रचे द्यौः

ਪਾਲਸ਼ੀਧਾ.ਪੁ.੩. ਸਕ੍ਰਿ ਗੰਗਾਪ

दिनांक ५.३. १९४६ मधुबनी

५०५३. जंमने दुसम मिहमूपा

श्री.
५.
०३

लेमकभालेभुभुधिलि मउचन
 वीयटउउमनेमिहिरठव उडिभा
 लेभलेनपिमभुए गभविभंजुन
 भालेवुं उडिमदिल कालगदीवय
 वभजिएपंविणय एपंविणय ए
 पउ उंभालेभचमेवनंभीडिमठन
 मम सुठंजुनभुमेवि यमेवेदंमभु
 इभा उडिपंविणमिभालंभंभुए
 उहडिग हगेभीडुंनदलभंभुए
 पभा मिहिरठवउमनेविहूभकभ
 नसुडि उडुनेन उरेभयंएपठलेमेवी

वमदमुमभट्ट कवममदमुनभमुउपा
 णमिधठिठुगुनमुउमाधियठिठु भव
 मङ्गलमङ्गलुमिवेभवउमणके म
 गट्टुमुभकेगेरीनगयलि नभेमुउ
 उडिमउचगंभुदिल्लीठु मुपगणेठ
 यउवभवेकमुभकेपरे केपगःभदउ
 लेकेकेवलंमुभिनंविन उट्टुमुभंभुलि
 यट्ट उःमभट्टमुभकेसुलकेनगदी
 व ठिउःमुचंभुलवडिरेदधिक
 गिरेगमुभुभमुभुभुभमनभावसा
 कभलपहुभमलमिस्रयउउंयउ

श्री.
 ५.
 ७

जंयहुंउंउंवेभाभकीयंभकलंमीराल
 डिभरभन्नीरगवडीमरलकमलभमु
 तिउंउं ५ डिभाभन्नीरुकेभभदृल
 लिंरदू यलुउंठिउंभउंलपउंभयं
 लंललभा नैवहुंउंमनैवहुंउंलुद
 नकभय ॥ उदुनैवैलनभिनैव
 लनभिप्रलनभा प्रलठगंनलनभि
 कष्टउंपरिमेषुति ॥ मवीररीठिउंम
 मवीभचभिमंलनगउं मवीलयउंभच
 इय मवीभेदभेवदि ॥ यमदगभगिहुं
 भाइदीनंमयलुभा मयलुमभनविह

उंकुष्टं धाम सुवि॥ ५॥ विम्वी धय
 ललितकभाष्ट ३३: मल्लभुष्टभाष्ट
 भाष्टवकप्रयेष्टमसिंभयउष्टवं
 धयमेविष्टदल्लगणनंभम, ५॥ विम
 स्त्रि: धरिष्टुष्टल्लनंमेविष्टकदुष्टम
 दुष्टनभुष्टल्लनंभमदुष्टनद्विष्टमदुष्ट
 भुष्टनंभुष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्ट
 उष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्ट
 कयष्ट/ ३३: ५५ल्लल्लिष्टल्लनंभुष्टल्लनंभुष्ट
 धंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्ट
 १॥ वनविष्ट: धमं धमं ॥ ५॥ विम्वी विम्वी
 भंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्टनंभुष्ट

श्री.
 ५.
 ९०

[illegible]

नयनं मलिधम [red] माध [red] तु
 लितं सुखं गीतिभुगं कल्लैः ॥१॥
 त्रैलोक्यमभीष्टवदगदगदलपट्टः ॥५॥
 उभयधु [red] भनले भनलजियुजः ॥
 कुपेन्द्रमेलिभलिगलिउपरुपीः ॥
 उभचरुव [red] नभित्तनभउभदरुः ॥३॥
 गिल्लीमभेधणियउलुभायीमगु ॥
 येभानवेधउडिउपरुमजुठवः ॥ श्री
 भाऊरुदभकलभगवदवउं ॥ इत्युभ
 यण्डिभालभभयभित्तमः ॥ ८ ॥ व
 भादिल्ली उभरुवत्रायल्लुसुदु

रु.
 मे.

हुङ्गन मन परोल पडनोयः ॥ भुङ्गि
 भडिष्टो रनिड डिभुष्टो दीनो गिठिठुवडि
 भचरणन ठिवष्टः ॥ १ ॥ छडिठवनि
 ठवभोलिभली डिमिडी कुडा डि युग्नक
 भले हुरयेल पष्टः ॥ इष्टन नरुम
 गभिनु राल नुमि निद डि भुजि पट
 लः पडुडा ठिमिडुः ॥ २ ॥ भयं भड
 इ० डि रवि नगे डुकट्टे भाय विदीन
 हुरय भुवठ वष्टुः ॥ वष्टु ठव डि भड
 भायल उष्टु गनु चरु वनिडः क
 भल यडुष्टः ॥ १ ॥ सुष्टे भुगुन मि

五
七

उं धर्मि गृह लभा ॥००॥ सुक मरी
 ए भ भ उ सु र प त्रि भ उ र व मि ठ जि
 भ ल ठ ध र भ न र्ग यः ॥ भ उ ल प त्र वि
 ल न र उ र ग द ल क्री च भ ह म प ल
 दि भ म म ल य ॥००॥ भि दं य ०
 ह म ल भ त्रि र्ग न भ ल यः ॥ क भ सु
 ग क म ल भ न र भ म य ॥ भि द र क
 ग प ल क द भ त्रि भ त्रः ॥ भ भ र्ग न
 म उ व मी धि वि र न य त्रः ॥०१॥
 क भं भ र्ग न न य भु व भ न र्ग त्र

धृष्टनक्षत्रलनिगुलिसनतुः॥
 उभिदुलेदिधमनरिसभुभिरुं॥
 इलेदुगएविठरंनतुःभुक्रिभा०७॥
 मत्रिंएनःभकलउत्रविमग्नये॥
 भव०५०त्रुविगंउवठवठवयुक्तुः॥
 भउचिसुदुकरलःपूलाभत्रिमेव॥
 वैकुण्ठमभुदरियदुभाषःभम
 उना॥॥०८॥भचनभद्रनिल
 पत्रिएनेसुगिदं॥एव०नःभुत्रि
 सिनेभभापेभमुदुः॥येभुवगिनि

॥
 भुं.

पिथगगड एगननं॥५॥यतिनाम
 नभरः॥ममसचिनमु॥०५॥कुभिं
 भोएननियः॥५॥कुभिमुहिः॥५॥
 सकुडनिवदचरिमुहियुज्जना॥मं
 भुधवपुग॥म॥दिउकुभिमुहि
 भउकड॥भउत्रकडकभनीयप
 मरिन्ः॥०७॥लहुंएभतिम
 दनीयपमरिन्॥यभनवाभिपु
 केविमुहुमिडः॥लकुनिदेधुलम
 लउंममपेडिउधं॥५॥भायेधुम

उभयक द्विउत्तु ॥०१॥ विज्ञेति
 कैल वम्भे **॥** विज्ञमकैल पुत्तु भव
 मूनगललधेसकुण्डल **॥** यदं
 भगतिनिगडं भमिवं भिडा भुंरु
 दृष्टिं विप्रभुमरि उविभजुः ॥०३॥
 श्रीभक्तगीभुववंधयतः पूरुतं ये
 भानवेराधतिनिह भिमं भभजुभा ॥
 मयीभभसुति भुवेरावनी भिवभं ॥
 मवीकड **॥** भभगवदरुत द्विपद्मभा ०७॥
 श्रीकैलमदवगल्ल भभद्विपद्म ॥

म.
 भु.

१५

भक्तकणभगसिंभुवमभयभा॥ यमुहु
 सिउकालभनरः भगतिउयातिउ
 दनभनउभगठिवहुः॥११९॥ ५३ श्री
 भक्तीकिलनरुनषमरलभरिणध
 रुद्रिदिगमिउः श्रीभदरिभभुङ्गी
 भुवगणः भभुलः॥ तिनभेपुगव॥
 भगभुङ्गीभुयनमः॥ श्रीठेगवउर
 म॥ कषयभियनंविहं भदभष्ट
 ठिणंमिव॥ मिलायः मरिकाष्ट
 यः भंभचभुधिल्लीभा॥ विनानि
 उरियंरुवि विनहभंविनचनम॥

विना प्रगभ्रियं एष्टं विना देभं सद्य
 लभा ॥ विना म्मसा न गभनं विना म
 भय प्रणवभा ॥ यद्य लठ्ठुलं भचं
 विष्टं म्मडा पाचति ॥ यस्ते वी सत्ता
 लेके ॥ सिल उपा भुमार्गिक ॥ भ
 एष्टवति विष्टुं उभं द्रष्टुति उभभी ॥
 मैव भं भारिलं मैवि ॥ परमं सुदरुधि
 नी ॥ परं धर्मं धर्म भुती ॥ भद्र विष्टुति
 कर्मिल ॥ उष्टन भमदभं उष्ट
 य भिद्रुष्टुभा ॥ गदभुं भमभच
 भुं भकल सावल्लभा ॥ येण यष्ट

म.
 म.

गंविष्टं पठेत् ॥ भद्रमुक्ता ॥ ७
 ग्येकवर्गं विष्टं पठेत् ॥ भद्रमुक्ता ॥ किं
 अष्टलं लेखे ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥
 भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥ भद्रमुक्ता ॥

भा॥ भिंद छिउं मिबर भरवली
 नं ठर सतिम गरि कसीभा॥ छिं छी
 मीं छुं छुं छुं मीः॥ गरि कसुभ
 भरगी॥ मिला मारी सुकीमात्र॥
 सुभा सुभा पर्येण॥ सवीमम
 कविधुठ॥ मम ककुमोय॥ म
 सुलमम भरभन॥ मतिः मकुलव
 दन॥ गरीधमवडीपीन॥ पीन
 वदेल॥ कुदल॥ पीडधुगकु
 मरु॥ मतिभी कुमभेयम॥ म

म.
 म
 ७

गुरुं सुपमिउ॥ सीधु सीधमिपि
 मय॥ मकयली कल्ललउ॥ कल्ल
 उमदनैधम॥ केवीठीभनममठ
 यानकभायीठगा॥ कगकनष्टु
 धाम॥ जलजल्ल वमिदगी॥ कमभुगी
 पट्टेष्ट॥ धमधमभुगी॥ भडीभ
 भुडीभट्ट॥ भट्टभट्टभुडुधिल्ली॥ ध
 भट्टपल्लकग॥ धल्लधल्लभूठ॥
 धमिनीधम्वमन॥ धमधम्वकमि
 व॥ मिदभ्यमम्वभु॥ ममीगभु

विठवरी॥ दृमलिप्रसुगपाणधी
 भीमीधीवगुतिः॥ नमिदुमम
 लणग॥ भउहीभयगुन॥ चडी
 रमदगदग॥ भउगीभउगलक॥
 मलकनकभयगु॥ पाउलउल
 मगिली॥ ननउनउगुपायमभी
 मृभकगीरिनी॥ विठभठम
 वलुसमभभुमरथाडिनी॥ भय
 भगभरमानी॥ रुध॥ चलठदविः॥
 मुदमुदमनेर॥ मुकुवःभुःमु

म.
 म.
 ११

थिली ॥ कुमिकुमेवधृष्टमभुयभुःभु
 इप्रणक ॥ ननककचलीकचकु
 भण्डमिवलय ॥ मण्डमिद्वरकण ॥
 कवधडीठयधरु ॥ विप्रसुगीगलम
 नीविप्रविष्टंभिनीनिम ॥ वसुव
 मृणनभुटभुतिःभुतिगभुतिः ॥
 वटवटभयीविटविण्टवमवयः ॥
 वभभभसुगीवधुजुलजुलविम
 थिली ॥ विडकुडकुनिलयभुलयन
 लभविठ ॥ यल्लुसुगीयल्लुभाय ॥

म.
म.
३३

रिक्तमनेन ॥ मन्त्रैः प्रियैः
 दृष्टिर्ब्रह्मभूतिः ॥ मन्त्रधीन
 वधधीनुदीगुचीगरीपभी ॥ कलात्रक
 लभाय ॥ कर्णेकनमयी ॥ नीलन
 मीमवागीमीरुचनीलभभुडी ॥ स
 धाधगागभुगतिः श्रीतिः ध्येय ॥
 ध्येयमममममय ॥ ध्यामदुतिगलम ॥
 मेदेवैः ॥ भगवन्निलयनीतिः ॥
 कीतिः कीतिकनीकव ॥ कमीकभुकप
 दम ॥ कसभधैयभगम ॥ रभगभप्रि

यग्वं॥ मेवकीमेवकुल॥ उगीउगति
 म॥ म॥ मिनीविरायाया॥ म॥
 यममभुष्टनिः॥ मेधमभुष्टिनी॥
 नदिनीवदभुलकुल॥ म॥ म॥
 ठ॥ म॥ म॥ निनुलीम॥ म॥ म॥
 चिनी॥ म॥ म॥ यदचदय॥ म॥
 यमिनीयमी॥ म॥ म॥ यमवरम॥
 लुमेष्टम॥ म॥ म॥ म॥ म॥
 लेमीभलकडुग॥ म॥ म॥
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥
 म॥ म॥ म॥ म॥ म॥

म॥
 म॥

केमवभ॥मभहुडिगलधुम॥ द
 ममभमभहुप॥भचवतुभयीभु
 डिः॥भचदगभयीविष्टुधलवि
 हुष्टुगीष्टुगी॥ प्रकाधेउमका॥
 कागवउविभेमिनी॥ ककाष्टु
 नरु॥उ॥भचभउकुगलय॥
 नमगउयधुमल॥इगुष्टुधु
 गरिगउ॥मधिकगलिकमधु॥
 ननउगुलभायल॥नधतुधतु
 मलमभापुनमकमनिक॥ न

शिकटपदुदभधुरागभधु
 नरुगी॥ मल्लदीमल्लिनीरुवी॥
 हपुरभनधुरिण॥ मकरभउ
 कसेवीभचानरुकीकल॥ सु
 नरुभरुगीरुह॥ सुप्रलन॥
 लैसन॥ सु मिरुवउककुर॥
 सुमिरुजुलकुधल॥ सुंरीराम
 नरुसेवी॥ सुकरभउकवलिः॥
 उरुमुउरुमिभुधु॥ उनकीदिम
 मधुठ॥ उरुगभरुगमली॥

म०
 म०
 १०

धरु ॥ ठ ॥ नदीपकचमी ॥ १०००००
 भजुएमेद ॥ क ॥ म ॥ भ ॥ ज ॥ नि ॥
 १००००० ॥ म ॥ य ॥ म ॥ वी ॥ १०००००
 म ॥ भि ॥ ॥ म ॥ म ॥ निलयभुन ॥ ॥
 भुन ॥ म ॥ भुन ॥ ॥ ध ॥ म ॥ भुन ॥
 म ॥ क ॥ भ ॥ ल ॥ क ॥ भ ॥ ले ॥ भ ॥ ॥ क ॥ म ॥ भुन ॥
 भि ॥ न ॥ म ॥ भुन ॥ म ॥ भुन ॥ क ॥ क ॥
 क ॥ म ॥ क ॥ म ॥ भि ॥ य ॥ की ॥ क ॥ भ ॥ नी ॥ य ॥
 क ॥ य ॥ नि ॥ ॥ क ॥ ल ॥ क ॥ क ॥ क ॥ ली ॥ म ॥
 क ॥ ल ॥ क ॥ म ॥ भुन ॥ क ॥ नि ॥ ॥ क ॥ य ॥ ली ॥
 नी ॥ क ॥ य ॥ ले ॥ मी ॥ क ॥ पु ॥ म ॥ य ॥ म ॥ भि ॥ ॥

श्री
 म.
 म.
 ३०

क म भुगी के म ल द्दी क म्मी गी जु जु म द्द
 डिः ॥ जु जु जु जु ल वी र नु के म ल
 की जु ल जु ल ॥ क र ल भु क र ल
 की वि क र ल भु पु पि ली ॥ क भु ल क
 क भ यु ग क भि नी क भ य लि नी ॥ क
 जु र र द प क डी क क र द म भ ड क ॥
 क जु ॥ य न्ना य द र मी ॥ ये म नी य ग ग भि नी ॥
 य ग भ न य ल ल् ल धी ॥ ये ए मी य
 ल न मि नी ॥ ये ए क यु ण द भु म य
 रं सु द्द डि भ त्रि ठ ॥ य त्ता य गी ए
 नि ल य ॥ य क र्गै ल् ल भ भ ड क ॥ ७
 २० ग र भु व म न ॥ ग ल म ए न नी

म.
ध.
३३

ली मङ्गीकभुनलपमभङ्ग
 भुङ्गिनी॥ मङ्गलमङ्गकीमची॥
 मङ्गमङ्गकभञ्जिठ॥ मीनंमुक
 णमङ्गसङ्गकङ्गकुध॥ क
 डीकङ्गङ्गसङ्गसङ्गभङ्ग
 सङ्गविः॥ कङ्गभङ्गङ्गसङ्ग
 कङ्गभङ्गभङ्गक॥ सङ्गभङ्ग
 सङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग॥ स
 यङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 ग॥ सङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग
 सङ्गङ्गङ्ग॥ सङ्गङ्गङ्गङ्गङ्ग

एवीवन एवीववचूरु ॥ एण्डिस्त्रुए
 गविइ ॥ एण्डिनि एलचूरु ॥ एल
 चूरुए एय ॥ एकरुकरुभइक ॥
 न ॥ गुपानलीवभ ॥ नकरुमी
 नलयुए ॥ नरुनी एकरुभइक ॥
 नकरुकरुभइक ॥ एकरुभइकी
 गुप ॥ एकरुकरुभइक ॥ ० गुप ०
 गुप ॥ मनी ॥ एकरुभइकी ॥ ० गुप ०
 गुप ॥ एकरुभइकी ॥ ० गुप ०
 ककरुभइकी ॥ ० गुप ०
 ककरुभइकी ॥ ० गुप ०

म.
 म.
 ३३

कर्मचक ॥ उगीउदउलकुस ॥ डिभर
 उभमभिय ॥ डिउलउरिल्लीउरभ
 भुविमडिउधिल्ली ॥ डिभरडिभरएय ॥
 कृभकमीडिल्लेकयक ॥ डिभरमीड
 यीउक ॥ डिभरवेरुधिल्ली ॥ डिभर
 एननीइड ॥ डिभरभुभरिणड ॥ उभ
 भीडिभरभुभ ॥ डिभरभुभरिणड ॥
 (उलकेडिभनउधीउभमंठलवचि
 नी ॥ उगीउगलिउयमउकरकरभ
 चक ॥ भुलीभुविगुयमभुलाभु
 लीभुलक्षिनी ॥ भुविगुयमभुलभाषी

वकराकरभयक ॥ उडिकमिवरुगी
 म॥ ५७ पुण्णरुडिः ॥ मीमिमीन
 उकभयम॥ मीलिणवल्लठ ॥ मम
 उमरिल्लीइक॥ इविममीमवीपभी ॥
 मकयल्लीइमलडा॥ मवभानधिद
 वड ॥ मणिरुमलठ॥ मवीमकडरु
 रभयक ॥ उममपुअचवुण
 मणनवचिनी ॥ एडिचुडगटव
 पुचकराकरभयक ॥ नलिनीन
 लिकनपु॥ नगमापुण्णरिल्ली ॥
 नीधिधवनमपुभु॥ नगरमीनिरेडम ॥

म
 मी
 ७८

नरेश्वरी च यष्टक ॥ न न ग य ल प्रसुः ॥
 नउकीनीर ॥ क्षीमनवरु दग कु य ॥
 पद्मेश्वरी पद्मभायी ॥ पडु य न प र प र ॥
 प र व र भु त धी न ॥ भु र य न वि भ द्दि नी ॥
 प्रः भु र ग र व प्रः प म्भु प डी प डि न व द्द
 न ॥ धी व र द्द ॥ प डि भु ॥ धी ड ल की
 प डि व र ॥ धी न धी न भु त धी ड व भु
 ल द्द र कु य ॥ भु त व भु त धी डी भु डि
 क भु डि न भु र ॥ भु डे डं भ भु ड व डी ॥
 प क र द र भ भु र ॥ क ल न धी ड व भु

म० व० ग० व० ध० ॥ दलु० ली० दलु० दलु०
 म० व० ल० द० म० ल० ॥ र० ल० म० र० ल०
 पि० ल० म० र० ल० र० ल० रि० ध० धि० य० ॥ र० ल०
 व० नु० गी० सी० व० नु० र० नु० क० ग० नु० डि० म० नु० क० ॥ ठ० डि० क० ठी०
 म० म० डी० म० ठी० म० ठ० न० मि० य० ठ० य० ॥ ठ० य०
 प्री० ठी० म० न० म० ठ० य० न० क० भा० य० द० ॥ ॥
 ठि० ली० सु० गी० ठी० डि० द० ॥ ठ० नु० म० ठ० नु० व० चि०
 नी० ॥ ठ० ग० म० ल० ठ० ग० व० म० ठ० व० नी० ठ० व०
 रि० ली० ॥ ठ० ग० यो० नि० ठ० ग० क० ॥ ठ० ग० भु० ठ० ग०
 दु० धि० ली० ॥ ठ० ग० लि० नु० म० उ० प्री० उ० ठ० क०

म०
 म०
 ३१

काभयक ॥ मातृभानपुरुभीन ॥ भीन
 कउनलालभा ॥ भवेदुभमिमातृभीन
 भनकवडुल ॥ भारतिमडुपुभाभडुभा
 उभदडा ॥ भनमडुपुभाभडुभा
 धराक ॥ भाउहिनीभडुभाभनभडुभा
 वसुमी ॥ भनभडुपुभाभनभडुभा
 कुपल ॥ यमभुनीयडीमनीयडुकी
 यडाः भिया ॥ यल्लुडीयल्लुडल ॥ य
 लुवेण्डमंडलभा ॥ यमिडुयडिभडुभा ॥
 यडुयडिकवडुल ॥ योगिनीयोगिभा ॥
 योगीकुलानवडुल ॥ यडुभडीयभभा

म.
म.

३

हुमल लमसुतिः ॥ लयल लकु ॥
 लेल ॥ लकग करमशुक ॥ वगदीव
 गण्डीम ॥ वीरभुचीरभुमिनी ॥ वीरु
 गीवीरणाट्ट ॥ वीरमचलमचिडा ॥ वग
 युपवगकर ॥ वभनवभनहुतिः ॥ व
 पुडा वपकवष्ट ॥ वष्टकुचलिश
 भिय ॥ वभतलकीचडकीवडक
 वडकैसुगी ॥ वडभियवभनइव
 भमगैकललम ॥ वातुवभुवग
 गेदवदभतवभनू ॥ वयियन
 वयभुमवकगकरमशुक ॥ मनु
 भियमरसुच ॥ मातुलममवडुल ॥

मीउदुतिः सुउरमा॥ मेली॥ मीमीका
 भू॥ मीवुल॥ कुन॥ मच॥ मचव
 भानुव॥ मिनी॥ ममा॥ भलल॥ मी
 म॥ ममुल॥ उर॥ हिए॥ भेद॥ दडी
 मभी॥ भल॥ मकर॥ दुति॥ माय॥ ॥ धे
 रुमी॥ धे॥ रुमी॥ उं॥ म॥ ध॥ रु॥ धे॥ रु॥ ध॥ रु॥ न
 न॥ ॥ ध॥ रु॥ ध॥ रु॥ म॥ ध॥ रु॥ ध॥ रु॥ मी
 डि॥ भा॥ य॥ ध॥ रु॥ ॥ ध॥ रु॥ म॥ रु॥ ननी॥ ध
 ध॥ ॥ ध॥ रु॥ रु॥ रु॥ म॥ रु॥ रु॥ ॥ भा॥ रु॥ रु॥ उ
 भू॥ उः॥ म॥ च॥ म॥ च॥ ग॥ म॥ च॥ उं॥ भा॥ य॥ ॥
 म॥ भा॥ मी॥ उ॥ म॥ डी॥ म॥ उ॥ म॥ ग॥ रु॥ य॥ रु॥
 यिनी॥ ॥ म॥ म॥ मु॥ ध॥ ध॥ म॥ म॥ नी॥ म॥ ल

म०
 म०
 ७१

वल्लीभरुदि॥ मधुधिःभग्मभग्नी॥
 भग्मभग्मभवेरु॥ भट्टधियाभेभ
 यीभड्डभड्डवल्ल॥ भड्डमीभन
 म॥ भवमभुभनउन॥ भड्डभभभ
 म॥ भकगकगवल्ल॥ दलदलधिया
 दल॥ ददगवविभु॥ ददददभुभ
 म॥ दलणरीदलधिया॥ दनिभुभेभुभ॥
 दविभुदडिवल्ल॥ दं॥ दं॥ दं॥
 धमभचभड्डभरु॥ डिभेभे॥
 विभुमं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥
 भट्टभनभभदभरु॥ भट्टभनभन
 भुं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥ भुं॥

मा.
म.
३३

वप्रभिः कुंयेणपति ॥ उधंगहृनिध
 हृनिमभायजुदग ॥ हृलभतीववामः ॥
 धृक्क्रेमुत्तण ॥ नमिहमिभचभि
 द्विधृणन ॥ ० ॥ गेमनः मेद्ववभसुव
 ॥ धरिगाउरीएभउमदेमिहृकुंउभच
 मउयमिराधडिरावेवभकंकमधि ॥
 रिण्डवामभयीमैणममपिमिहंके
 ठयनधृएकीयनंसकुचसुठधृव
 डिमभह ॥ धेरालवउंम ॥ १ ॥ गेमवे
 मानभुंसमिणगविलभकुभनरेल
 धृकुंरीएउकुमुउ ॥ विगलिउमिउर ॥
 कलिकयेणपति ॥ हृहृगंनिदति ॥

रिडुवनमठिउवेष्टुठवंनयति॥भुवि
 रुडुभुणरुडुयणरुडुनेमदिल
 रुडुगेति॥७॥उचुंवामेठुधालंकर
 कभलउलेकिनभुंउठि॥भट्टम
 ठीवरंमडिरागमपठेमदिलक
 लिके॥रुपुउत्रभयवउवभनवि
 ठवंठवयउमभुठेधमभुकरुः॥
 भुकरिउवमनेभिरुयभुभकभु॥=॥
 वनंठुवदिपुउंविपुगडिभिलिउं॥
 उयंउमपुमंलरुडुचुंमभुवि
 उभियउम॥०॥उयंयेराधिव॥भा
 रुडुंराधतिभुगदभदिलठव

क.
 भु.

५७

यतः ध्रुवं जलक्रील ध्रुलील
 कमलमलममः कमधुधठ
 ति ॥ ५ ॥ भट्टकं वृथं वृथं यम
 धिसधं जील भट्टतुष्टं वृथं
 येणयिष्टं भकलमधिभमठ
 वयंते एधति ॥ जेधं नैरुति
 विदगडिकमल वृथं वृथं
 विष्टं वृथं वृथं वृथं
 मयलमधुधं धीनभुनठ ॥ ७ ॥
 गडभुनं वृथं वृथं वृथं
 भविष्टं वृथं वृथं वृथं
 वृथं वृथं वृथं वृथं

तल्लमवद्वरिभदकलभुगुभूम
 जेवंप्रयज्ञननिएउमउचधि
 कविः ॥१॥ मिवठिद्विगठिःम
 वनिवदभुगुभुनिकः ॥२॥ म
 ह्रीलुयं ॥ भकटिउमिउयं दव
 प्रभा ॥ भविधुं भुधुनुधुं भुधु
 भगुनधिपुवंडी भमधुं प्रयति ॥
 कुमिमधिनउधं धरिठवः ॥३॥
 वरुभभुकिंव एननिवयभुम
 लठिप्येनणउ नधीमिद्विग
 धिनउवठि विठवभा ॥ उधधिउ
 ठिउधुपययडिमभदभधि

क.
 भु.

॥

उत्तमकुटुंबं नायलपसुग्धः भूमिः ॥ ७ ॥

ममत्रादापीनभुनशयनकृष्टेवनवरी

गडाभज्जेनज्जंयमिणपडिठज्जुअवभनभा॥

विषमभुंष्टयज्ञलिमिक्तुभुष्टव

मगभमभुःभिष्टुधुविमिगंरणी

यडिद्विः ॥०॥ मम सुती कुं एगति

विपरीतं यमिन्नम विमिन्नं यमिन्नमि

मयभद्रकलभगुडभा ॥ उरुगुडुकेली ॥

उलविदामाल्लु रिदुवः काभेरु

वसुः भगवत् वसुभिर्द्विनिवदः ॥००॥

पुस्तकमंभरं एतन्निशागंतीधलयति

समभभुंदिइदिभूलयमभयभंद

मि०

रतिम॥ चउभुंयउधि॥ डिउवनभडिमी
भडिगधि॥ भदमेधि॥ पूयः॥ भकलभधि
किंभुं॥ डिठवडीभा॥ ०७॥ चनकैः॥ भव
उठवमपिकगीच॥ निवद॥ विभुक्
मुभाउः॥ किमधि॥ नविणन॥ डिपरमभा॥
भभगए॥ भभुं॥ दरिदर॥ विरिषुमि
विबुयैः॥ भभत्रे॥ भिभुं॥ रतिमभद
नरुनिगभा॥ ०७॥ पडिडीकील
लं॥ भिगधि॥ भभीरिधि॥ गगनं॥ भभक
कल॥ भिगिरि॥ भभलीक॥ लिभक
लभा॥ भुडिः॥ कउभउ॥ भुवकन॥ य
भभगडिकं॥ भभत्र॥ भुं॥ भुय॥ ठवभत्र

क.
भु.
२५

नकुय चमलनः ॥०८॥ ममनभुः
 भुभुगलिउमिजुगेमिजुएणः भदभं
 वहु ॥ निरणगलिउपीरल कुभभा ॥
 लभंभुचुहंभनगधिवएननिगे ॥
 भदकलिभुंभरुवडिपिडीधरि
 कः ॥०५॥ गृहभभलनृनिण
 गलिउप्रलिंदिमिजुंभभलंभए
 केविगडिमिउयंजुणमिने ॥ भभसु
 दभेभुभनगधिमवहुलिभउंगर
 कुरेयगडिदिडिधरि कः भकुविकः ॥०७॥

क. पु. ॥

लमधिभारुभभिउपरंमेषुंमेषंन
 भदिभयेसुगभपिव॥रलि॥उप्रखं॥
 भयिविउरंभुवभउंभउंमेदुःभव॥
 भुतिमिनभप्रचप्रवति॥०७॥वमी
 लहंभउंभ्रणपतिदविष्टमनगिद्वि
 भउदुभसुगलकमलएननिभुलः॥
 भगंनउंनयेनिपवनविनेनसभउं॥
 एनिलहंभष्टादुदभभनःदिदि
 उलि॥१७०॥उतिभुउंभउभुवभउमभ
 सुगलएपभुउभापुंभरुभुएप
 गलप्रएविपियउभा॥निमचवप्र
 एभभयभपिवयमुप०उिपूल

॥३
 पमुष्टाधिभूमगिकविद्वग्भः ॥१०॥
 उगङ्गकीरुचंभनभगिभूमगलं
 ममुष्टदेल्मीधतिधितुवेगभूतिनि
 विः ॥ विधुः करगने कलयतिसंकेलि
 कलयः ॥ सिंएलीवन्नुजः ॥ भवतिभू
 उः ॥ भूतिएनि ॥ ॥ उतिमीभद^{कल}उंभ
 दकलीमुंभ ॥ ॥ ॥ रु ॥ रु ॥ रु ॥

महात्रिपुरसुन्दर?
साव राजः

by Kaulananda Matha
of Kashmir

Title on
~~Page~~
also - No 15 unpublished